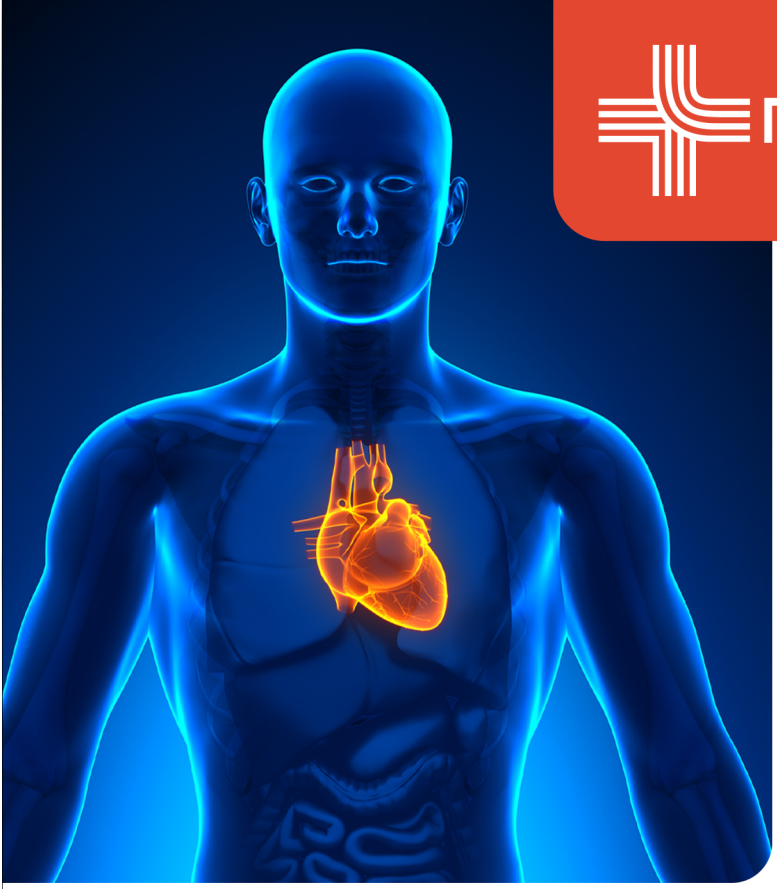

medanta

कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग

(सी.ए.बी.जी)

MEDANTA
HEART INSTITUTE

सी.ए.बी.जी क्या होता है ?

कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी, जिसे कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (सी.ए.बी.जी) या हॉर्ट बाईपास सर्जरी भी कहा जाता है एक शल्य प्रक्रिया होती है जिसके द्वारा हृदय की बाधित या आंशिक रूप से बंद आर्टरी के आसपास रक्त संचार के लिए एक नया मार्ग स्थापित किया जात है। इस प्रक्रिया में छाती या पैर से एक स्वस्थ ब्लड वेसल को निकाला जाता है और इसे प्रभावित हृदय आर्टरी के नीचे जोड़ा जाता है। यह हृदय की मांसपेशियों में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग है। इसे आमतौर पर "सी.ए.बी.जी" या "बाईपास सर्जरी" बुलाया जाता है। इसकी सालाह उन मरीजों को दी जाती है जो सीने में दर्द और सांस की तकलीफ से ग्रसित होते हैं। सी.ए.बी.जी हृदय रोग से संबंधित मृत्यु दर के जोखिम को काफी कम कर देता है और हृदय रोग संबन्धित लक्षणो में काफ़ी सुधार देखा जाता है।

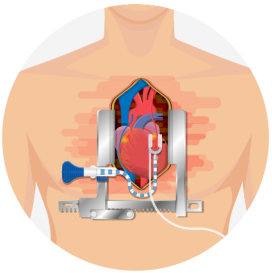

सी.ए.बी.जी की आवश्यकता किसे होती है ?

निम्नलिखित परिस्थितियों में चिकित्सक आपको सी.ए.बी.जी की सलाह दे सकते हैं :

- हृदय की मुख्य बाईं आर्टरी बाधित होने की स्थिति में यह आर्टरी मुख्य रूप से हृदय मांसपेशी को रक्त प्रदान करती है।
- मुख्य हृदय आर्टरी में गंभीर रूप सिकुड़न की स्थिति में।
- अगर सिकुड़न के कारण सीने में दर्द या सांस लेने में तकलीफ हो।

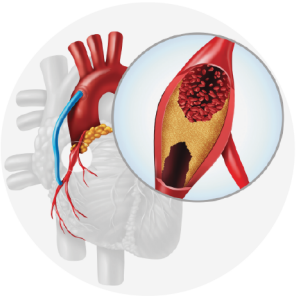

सी.ए.बी.जी से पहले मरीज़ को किस प्रकार तैयार रहना चाहिए ?

- डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी दवाई का सेवन न करें।
- धूम्रपान या शराब का सेवन ना करें।
- खान पान और अन्य गतिविधियों के बारे मे दिए गए निर्देशों का पालन करें।
- एक अटेंडेंट को अपने साथ रखें जो डिस्चार्ज के बाद आपको घर ले जा सके और बाकी कामों में आपकी मदद कर सके।

सी.ए.बी.जी के दौरान क्या होता है ?

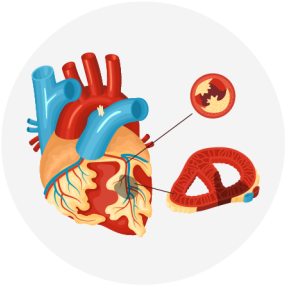

- बाईपास सर्जरी आमतौर पर लगभग 3 से 6 घंटे तक चलती है। यह सर्जरी कितनी देर तक चलेगी, यह इस पर निर्भर करता है कि कितनी आर्टरी बंद हैं।
- सर्जरी से पहले मरीज़ को जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है जिससे सर्जरी के दौरान मरीज़ बेहोश रहे।
- हार्ट-लंग मशीन मरीज़ के शरीर में रक्त और ऑक्सीजन का बहाव जारी रखती है।
- सर्जन आमतौर पर छाती के भीतर या पैर के निचले भाग से एक स्वस्थ वेसेल (जिसे ग्राफ्ट भी कहा जाता है) को निकालते हैं।
- ग्राफ्ट के दोनों सिरों को बंद आर्टरी से जोड़ा जाता है जिससे बंद आर्टरी के चारों ओर रक्त का नया मार्ग बनता है।
- बाईपास सर्जरी के दौरान एक से अधिक ग्राफ्ट का उपयोग किया जा सकता है।

सी.ए.बी.जी के बाद क्या होता है ?

- मरीज़ को एक या दो दिन आई.सी.यू में रखा जाता है।
- मरीज़ के हृदय, रक्तचाप और अन्य मानकों पर निगरानी रखी जाती है।
- आई.वी लाइन के जरिए दवाएँ दी जाती हैं ताकि दर्द को कम किया जा सके और रक्त के थक्के जैसी समस्याओं से बचा जा सके।
- फिजियोथेरेपी कराई जाती है।
- डिस्चार्ज से पहले मरीज़ को चलाया जाएगा, यदि चलने में या फिर चलते समय शारीरिक कष्ट का अनुभव हो तो कृपया डॉक्टर को बताएं।
- डिस्चार्ज के बाद की दवाएओं और सामान्य दिनचर्या में लौटने के पहले की सावधानियों के बारे में मरीज़ को बताया जाएगा।

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें ?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर को सूचित करें:

- सीने में दर्द या अनियमित दिल की धड़कन
- सांस की तकलीफ
- चीरे के स्थान पर सूजन या लालिमा
- बुखार या ठण्ड लगना
- हाथ या पैरों में अचानक कमजोरी

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ